उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १५८ वा मंगलवार ८ जनवरी २०२५ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

विष्णु चाटे को चार दिन की सीआईडी हिरासत

देशमुख हत्या प्रकरण : तीन आरोपियों को बारह दिन कि सीआईडी हिरासत

बीड़ : संतोष देशमुख हत्या मामले में तीन आरोपियों को बारह दिन की तथा इसी प्रकरण से जुड़े फिरौती मामले के आरोपी विष्णु चाटे को चार दिन की सीआईडी हिरासत सुनाई गई है।
सोमवार, 6 जनवरी को संतोष देशमुख हत्याकांड के आरोपी जयराम चाटे, महेश केदार और प्रतीक घुले के साथ-साथ आवादा एनर्जी पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट के फिरौती मामले के आरोपी विष्णु चाटे को भारी पुलिस बंदोबस्त में

सरकारी वाहन से केज पुलिस स्टेशन लाया गया। इसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया। हत्या मामले में आरोपी जयराम चाटे, महेश केदार और प्रतीक घुले के खिलाफ सुनवाई हुई, जिसके बाद फिरौती मामले के आरोपी विष्णु चाटे की सुनवाई की गई।
इन सभी चारों आरोपियों को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती एस. वी. पावसकर के समक्ष पेश किया गया। न्यायाधीश पावसकर ने हत्या मामले के तीनों आरोपियों जयराम चाटे, महेश केदार और प्रतीक घुले को 18 जनवरी तक 12 दिन की सीआईडी हिरासत सुनाई, जबकि फिरौती के मामले में आरोपी विष्णु चाटे को 10 जनवरी तक 4 दिन की सीआईडी हिरासत दी गई।
इन दोनों मामलों में सरकारी पक्ष की ओर से एडवोकेट बाळासाहेब कोल्हे ने और आरोपियों की ओर से एडवोकेट अनंत तिडके ने अदालत के समक्ष युक्तिवाद किया।

संतोष देशमुख हत्या मामले में आरोपियों द्वारा डिलीट किया गया महत्वपूर्ण सबूत रिकवर

बीड़ : मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले की जांच सीआईडी और एसआईटी (विशेष जांच दल) द्वारा की जा रही है। इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और एसआईटी व सीआईडी ने कई सबूत जुटाए हैं। हालांकि, कुछ सबूतों को आरोपियों ने नष्ट करने का प्रयास किया था। इनमें संतोष देशमुख की पिटाई का वीडियो आरोपियों के मोबाइल फोन में था, जिसे आरोपियों ने डिलीट कर दिया था। इसके कारण इस केस का एक महत्वपूर्ण सबूत नष्ट हो गया था। लेकिन अब एसआईटी ने वह सबूत रिकवर कर लिया है और मोबाइल से डिलीट किया गया डेटा भी प्राप्त कर लिया है।
सरपंच संतोष देशमुख की पिटाई का वीडियो एसआईटी ने रिकवर कर लिया है। इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी संतोष देशमुख को बेरहमी से पीट रहे थे और इस पर आनंद ले रहे थे। यह वीडियो आरोपियों के फोन में मौजूद था, जिसे उन्होंने डिलीट कर दिया था। अब विशेष जांच दल (एसआईटी) को इसे रिकवर करने में सफलता मिली है। एसआईटी ने इस सबूत को अदालत में पेश कर दिया है।

मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे के खिलाफ एफआईआर दर्ज, वंजारी समाज ने जताया विरोध

परली : मराठा आंदोलन के प्रमुख नेता मनोज जरांगे ने परभणी में आयोजित मौन मोर्चे के दौरान मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया और दो समाजों के बीच तनाव पैदा करने वाला बयान दिया। उनके इस विवादास्पद बयान के बाद परळी पुलिस थाने में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।
इस बीच, बीड़ के शिवाजीनगर पुलिस थाने में वंजारी समाज के लोग एकत्र होकर मनोज जरांगे के खिलाफ भी मामला दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।
मिली जानकारी के अनुसार, परभणी में हुए मौन मोर्चे के दौरान मनोज जरांगे ने अपने भाषण में मंत्री धनंजय मुंडे पर निशाना साधते हुए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने अपने भाषण में इशारों-इशारों में कहा कि "धनंजय मुंडे को सड़क पर नहीं छोड़ा जाएगा।" इसके अलावा, उन्होंने 'मुंड्या-फिंड्या', 'हरामखोर', 'अवलादी' जैसे आपत्तिजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया था, जिससे धनंजय मुंडे के समर्थकों में भारी आक्रोश फैल गया।
इसी विवाद के चलते आज सुबह से ही परळी पुलिस थाने के बाहर बड़ी संख्या में धनंजय मुंडे समर्थक इकट्ठा हो गए और मनोज जरांगे के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। पुलिस थाने के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे तनावपूर्ण माहौल बन गया।
प्रदर्शनकारियों ने जोर देकर कहा कि जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होती, वे आंदोलन जारी रखेंगे। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने शिकायत दर्ज कर इस पर कार्रवाई शुरू की।
आखिरकार, तुकाराम बाबूराव आधव की शिकायत पर मनोज जरांगे के खिलाफ परली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 147 के तहत संगठित अपराध (एनसीआर) का मामला दर्ज किया गया। अब पुलिस इस मामले की आगे जांच कर रही है।

मनोज जरांगे पाटील पर बीड, केज, अंबाजोगाई, धारूर और परली में मामला दर्ज

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटील ने शनिवार को परभणी में हुए मूक मोर्चे के दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ बयान दिया था। इसी के चलते रविवार शाम परली शहर पुलिस थाने में उनके खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध (अदखलपात्र गुन्हा) दर्ज किया गया।
इसके अलावा, गंगाखेड़ में मनोज जरांगे पाटील के साथ विधायक सुरेश धस और विधायक संदीप क्षीरसागर के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।
इस मामले में तुकाराम बाबूराव अघाव ने शिकायत दर्ज कराई है।
इस दौरान, परली पुलिस स्टेशन के सामने ओबीसी समाज की ओर से जोरदार प्रदर्शन हुआ। उन्होंने धनंजय मुंडे के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर विरोध जताया। इसके साथ ही, बीड के शिवाजी नगर पुलिस थाने में भी मनोज जरांगे पाटील के खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया गया है।
मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में केज, धारूर और अंबाजोगाई में भी मनोज जरांगे पाटील के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: चार्जशीट दाखिल, आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच ने महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCOCA) कोर्ट में 4,500 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हाई-प्रोफाइल हत्या में 26 लोगों के शामिल होने का विवरण दिया गया है।

चार्जशीट में 175 गवाहों के बयान शामिल हैं और इसमें बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे संगठित अपराध के कनेक्शन को उजागर किया गया है।
बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में धर्मराज राजेश कश्यप, गरमल बलजीत सिंह और प्रवीन लोंकर को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, जिस व्यक्ति ने गोली चलाई, शिवकुमार गौतम, वह अब भी फरार है। घटना के समय तीनों आरोपी मौके पर मौजूद थे।
रिपोर्ट के अनुसार, शिवकुमार ने ही दोनों आरोपियों से बाबा सिद्दीकी पर गोली चलाने के लिए कहा था।
गौरतलब है कि 66 वर्षीय महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी ने इस साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजीत पवार की अगुवाई वाली NCP में शामिल होने का फैसला किया था।
12 अक्टूबर 2024 की रात, मुंबई के बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक बेटे ज़ीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर, तीन लोगों ने उन पर फायरिंग की थी, जिससे उनकी मौत हो गई थी।
आज दाखिल की गई चार्जशीट में बताया गया है कि आरोपियों की योजना यह थी कि आरोपी धर्मराज और गरमल, बाबा सिद्दीकी पर गोली चलाएंगे।
हालांकि, शिवकुमार ने अंतिम समय में अपना प्लान बदल दिया और सिद्दीकी के आसपास भारी पुलिस बल को देखते हुए खुद ही गोली चला दी। उसने धर्मराज और गरमल को भी गोली चलाने और भागने का आदेश दिया। हमले के दौरान शिवकुमार ने बाबा सिद्दीकी पर छह राउंड फायरिंग की थी

कोरोना जैसे HMPV वायरस के 8 केस, सभी बच्चे : महाराष्ट्र में 2 बच्चे पॉजिटिव; कल कर्नाटक-तमिलनाडु में 2-2, बंगाल-गुजरात में एक-एक बच्चा संक्रमित मिला

बेंगलुरु/चेन्नई/अहमदाबाद : सोशल मीडिया पर चीन के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि ये भीड़ HMPV वायरस से संक्रमित लोगों की है।
सोशल मीडिया पर चीन के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि ये भीड़ HMPV वायरस से संक्रमित लोगों की है।
कोरोना जैसे HMPV वायरस के केस बढ़कर 8 हो गए हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 2 केस सामने आए। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल का लड़का संक्रमित मिला है। दोनों ही बच्चों को लगातार सर्दी-बुखार था। इसके बाद प्राइवेट लैब की जांच में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नही करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है। इससे एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। सभी पीड़ित बच्चे हैं। देश के 4 राज्यों में संक्रमण के मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि यह वायरस सामान्य है और इससे डरने की जरूरत नहीं है। अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे को तबीयत खराब होने पर 15 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। उस बच्चे को सर्दी और तेज बुखार था। शुरुआत में 5 दिन तक उसे वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। इसके बाद हुई जांचों में वायरस के संक्रमण का पता चला। कर्नाटक के दोनों केस के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बच्चे रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया कि बच्चों के सैंपल निजी अस्पताल में जांचे गए और उन्होंने सरकारी लैब में जांच नहीं कराई।

तबलीगी जमात क्या है?

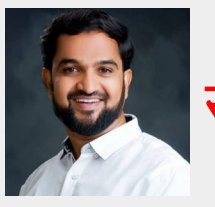

भाषान्तर,
सलीम जहांगीर
बीड

तबलीगी जमात एक ऐसा समूह है जो इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं के अनुसार जीवन जीने और पूरी दुनिया में नैतिकता, सदाचार और जीवन मूल्यों को फैलाने का कार्य करता है। हमारे भारत देश को गर्व होना चाहिए कि तबलीगी जमात का वैश्विक केंद्र दिल्ली में स्थित है। दिल्ली स्थित तबलीगी जमात के मुख्य केंद्र में विभिन्न देशों के लोग आते हैं, यहाँ से इस्लामिक शिक्षाएँ प्राप्त करते हैं और फिर दुनिया भर में जाकर लोगों को जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।
तबलीगी जमात क्या सिखाती है?
तबलीगी जमात में मुख्य रूप से 6 सिद्धांतों को अपनाने और उनके अनुसार जीवन जीने का अभ्यास कराया जाता है।
1) ईमान (आस्था)
तबलीगी जमात की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा ईमान है।
ईमान का अर्थ है:
यह मानना कि ईश्वर एक ही है और केवल उसी की उपासना करनी चाहिए।
भले ही किसी ने ईश्वर को देखा नहीं है, लेकिन पूरी सृष्टि का संचालन उसी के द्वारा किया जाता है।
यह विश्वास रखना कि हर समय ईश्वर हमें देख रहा है, इसलिए हमें किसी भी गलत कार्य से बचना चाहिए।
ईमान की पहचान:
यदि किसी व्यक्ति को हर कार्य करते समय यह अहसास होता है कि ईश्वर उसे देख रहा है, और वह किसी भी गलत कार्य से बचता है, तो यह ईमान की सबसे ऊँची अवस्था मानी जाती है। यदि कोई व्यक्ति रास्ते में किसी को नुकसान पहुँचाने वाली वस्तु देखकर उसे हटा देता है ताकि किसी और को कष्ट न हो, तो यह भी ईमान का हिस्सा है। अगर कोई व्यक्ति किसी गलत कार्य को देखता है और उसे रोकने की कोशिश करता है, तो यह ईमान की एक और पहचान है।
यदि कोई व्यक्ति गलत कार्य को न रोक सके लेकिन मन में यह विचार करे कि यह गलत हो रहा है, तो यह ईमान की सबसे अंतिम अवस्था मानी जाती है।
लेकिन यदि किसी व्यक्ति के मन में गलत कार्य को देखकर कोई प्रतिक्रिया ही न आए, तो इसका मतलब है कि उसका ईमान खत्म हो चुका है।
2) नमाज़ (इबादत)
ईमान के बाद अगला कदम नमाज़ है। इस्लाम के अनुसार, अब तक जितने भी पैगंबर आए (लगभग 1,24,000), उन्होंने लोगों को ईश्वर की प्रार्थना करने की शिक्षा दी।
नमाज़ का अर्थ है ईश्वर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना और उसका धन्यवाद करना। हर ईमान रखने वाले व्यक्ति को रोज़ाना कम से कम 5 बार नमाज़ पढ़नी चाहिए। प्रार्थना करते समय यह मानना चाहिए कि ईश्वर हमारे सामने है और हम उसके समक्ष झुक रहे हैं।
3) इल्म (ज्ञान) और ज़िक्र (ध्यान)
नमाज़ पढ़ने के बाद व्यक्ति को ज्ञान प्राप्त करने और ईश्वर को याद करने (ध्यान) की ओर बढ़ना चाहिए।
इल्म (ज्ञान):
प्रत्येक व्यक्ति को यह सीखना चाहिए कि क्या सही है और क्या गलत।
हलाल और हराम (वैध और अवैध) का ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है।
हराम (वर्जित चीजें):
इस्लाम में जिन चीज़ों को हराम कहा गया है, उनका पालन न करना चाहिए, जैसे: शराब पीना, जुआ खेलना,
सूद (ब्याज) लेना-देना, माता-पिता से ऊँची आवाज़ में बात करना,विधवाओं और अपंग लोगों का अपमान करना,किसी महिला को बुरी नज़र से देखना, चोरी करना, झूठ बोलना, धोखा देना
ज़िक्र (ध्यान):
हर कार्य को करने से पहले ईश्वर का नाम लेना। हर समय ईश्वर की स्तुति और स्मरण करना।
4) इकराम (सम्मान और अच्छे आचरण)
तीन चरण पूरे करने के बाद, चौथा सिद्धांत यह सिखाता है कि हमें दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए।
इकराम का अर्थ है:
सभी इंसानों को भाईचारे और प्रेम के साथ देखना। सभी को सम्मान देना, विशेष रूप से बुजुर्गों का आदर करना। किसी के साथ बुरा व्यवहार न करना, भले ही कोई हमसे नाराज़ हो। मोहम्मद पैगंबर के जीवन से प्रेरणा लेना और उनके बताए रास्ते पर चलना।
5) इखलास (निःस्वार्थ सेवा और सत्यनिष्ठा)
जब कोई व्यक्ति उपरोक्त चार शिक्षाओं को आत्मसात कर लेता है, तो उसे बिना किसी स्वार्थ और दिखावे के अच्छे कार्य करने चाहिए।
जो भी अच्छा काम करें, वह सिर्फ़ ईश्वर की प्रसन्नता के लिए करें, न कि दुनिया को दिखाने के लिए।
हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि ईश्वर हर कार्य को देख रहा है।
6) दावत और तबलीग तबलीग का अर्थ है: जो ज्ञान आपने सीखा, उसे दूसरों तक पहुँचाना।
लोगों को सत्य और नैतिकता के मार्ग पर लाना। दूसरों को प्रेरित करके उनकी एक जमात (समूह) बनाना और उन्हें भी इन शिक्षाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करना। तबलीगी जमात कैसे कार्य करती है? तबलीगी जमात का उद्देश्य समाज में भटके हुए लोगों को सही राह पर लाना और उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना है। जो लोग व्यसन, गलत आदतों और अपराधों में लिप्त हो जाते हैं, उनके परिवार वाले उन्हें तबलीगी जमात में भेजते हैं। ये लोग 40 दिन या 4 महीने तक तबलीगी जमात के साथ रहते हैं, अपने परिवार से दूर रहकर सिर्फ आध्यात्मिक और नैतिक सुधार पर ध्यान देते हैं।
तबलीगी जमात के सदस्य मस्जिदों में रहते हैं और वहीं से अपने कार्यों को संचालित करते हैं। इस जमात में कोई भी आर्थिक लाभ नहीं लिया जाता और सभी सदस्य अपने खर्च स्वयं उठाते हैं। तबलीगी जमात का उद्देश्य शांति और सच्चाई के संदेश को फैलाना और लोगों को अहिंसा और सदाचार के मार्ग पर लाना है। यह संगठन प्रचार और विज्ञापन में विश्वास नहीं करता, इसलिए इसमें शामिल सदस्यों को सोशल मीडिया और अन्य प्रचार माध्यमों का उपयोग करने की अनुमति नहीं होती।
तबलीगी जमात का महत्व
तबलीगी जमात में शामिल होने से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। इसलिए, यह कहा जाता है: "जो व्यक्ति दुनिया में कहीं नहीं सुधरता, वह तबलीगी जमात में जरूर सुधर जाता है।

कठिन समय में भी डटी रहने वाली पत्रकारिता

पत्रकारिता समाज का एक मजबूत स्तंभ है और यह लोकतंत्र की रक्षा करने और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला पेशा है। सत्य, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के लिए पत्रकार निरंतर प्रयासरत रहते हैं। लेकिन बदलते दौर में पत्रकारों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है फेक न्यूज का खतरा, राजनीतिक दबाव, आर्थिक अस्थिरता और शारीरिक सुरक्षा जैसे मुद्दों के कारण पत्रकारिता का कार्य और अधिक कठिन हो गया है।

इसी पृष्ठभूमि में पत्रकार दिवस मनाने की आवश्यकता है, ताकि पत्रकारों की मेहनत का सम्मान हो, उनके कार्य के प्रति जागरूकता बढ़े और समाज को पत्रकारिता के महत्व का पुनः भान हो। यह दिन पत्रकारों की स्वतंत्रता की रक्षा, सत्य की खोज में उनके संघर्ष को समर्थन देने और पत्रकारिता की नैतिकता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है। पत्रकार दिवस केवल मनाने के लिए नहीं, बल्कि पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को पुनर्स्थापित करने का एक प्रयास भी है।

पत्रकारिता को सशक्त बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण उपाय

1. स्वतंत्रता और पारदर्शिता बनाए रखें

पत्रकारों को किसी भी राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक दबाव में आए बिना सत्य को प्रस्तुत करना चाहिए।

2. सत्य की खोज और जिम्मेदारी

सटीक जांच-पड़ताल के बाद ही खबरें प्रकाशित करनी चाहिए। गलत जानकारी देना या भ्रामक खबरें फैलाना बंद करना होगा।

3. मीडिया संस्थानों की स्वायत्तता

मीडिया संस्थान सरकार और बड़े उद्योगपतियों के प्रभाव से मुक्त रहने चाहिए।

4. प्रशिक्षण और कौशल विकास

आधुनिक तकनीक, डेटा विश्लेषण और खोजी पत्रकारिता के नए तरीकों को सीखना आवश्यक है, जिससे पत्रकारिता प्रभावी बने।

5. सुरक्षा की गारंटी

पत्रकारों की शारीरिक और मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद ज़रूरी है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां उन्हें धमकियों या हिंसा का सामना करना पड़ता है।

6. कानूनी सुरक्षा और समर्थन

पत्रकारों को उनके कार्य के लिए कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। उनके खिलाफ झूठे मुकदमों पर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए।

7. जनजागरूकता और समर्थन

नागरिकों को सत्य पत्रकारिता के महत्व को समझना चाहिए और इसका समर्थन करना चाहिए।

8. नैतिकता और मूल्यों का पालन

पत्रकारों को नैतिकता, निष्पक्षता और ईमानदारी का पालन करना होगा, जिससे समाज का उन पर भरोसा बना रहे।

वर्तमान पत्रकारिता के प्रमुख पहलू

1. सकारात्मक पक्ष

तकनीक का प्रभाव: डिजिटल मीडिया के कारण सूचना तेजी से लोगों तक पहुंच रही है। विभिन्न प्लेटफॉर्म से लोग आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक मुद्दों पर फोकस: कुछ पत्रकार और संस्थाएं पर्यावरण, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर काम कर रही हैं।

डेटा जर्नलिज्म का उदय: समाचारों की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बढ़ाने में डेटा आधारित पत्रकारिता अहम भूमिका निभा रही है।

2. नकारात्मक पक्ष

पक्षपात: कई मीडिया संस्थान राजनीतिक और आर्थिक दबाव में निष्पक्ष पत्रकारिता से दूर हो रहे हैं।

फेक न्यूज का खतरा: सोशल मीडिया पर गलत और भ्रामक खबरों का प्रसार तेजी से हो रहा है, जिससे सत्य की पहचान मुश्किल हो गई है।

टीआरपी की होड़: कुछ मीडिया संस्थान गुणवत्तापूर्ण खबरों की बजाय सनसनीखेज और मनोरंजनात्मक सामग्री पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

पत्रकारों की सुरक्षा का अभाव: कई पत्रकारों को उनके काम के लिए धमकियां, हिंसा या कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण क्षेत्रों की अनदेखी: ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों की समस्याओं को मुख्यधारा के मीडिया में कम महत्व दिया जाता है।

3. भविष्य की चुनौतियां

स्वतंत्रता बनाए रखना: सरकार और बड़े कॉरपोरेट्स से स्वतंत्र रहना एक बड़ी चुनौती है।

सत्य की खोज और खोजी पत्रकारिता: फेक न्यूज के खिलाफ लड़ाई में खोजी पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

तकनीकी बदलावों के साथ तालमेल: कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और नई तकनीकों का उचित उपयोग करना आवश्यक है।

4. परिणाम और आवश्यकताएं

मीडिया पर लोगों का विश्वास पुनः स्थापित करने के लिए सत्य, पारदर्शिता और जिम्मेदारी की आवश्यकता है।

नैतिक पत्रकारिता और स्वतंत्र सोच ही समाज को प्रगति की दिशा में ले जा सकते हैं।

पत्रकार होने का गौरव

पत्रकारिता तकनीकी रूप से उन्नत हो गई है, लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों से उबरकर पत्रकारिता को दोबारा विश्वसनीय और सशक्त बनाना जरूरी है। पत्रकार होने का गौरव उचित ही है, क्योंकि पत्रकारिता समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी से भरा कार्य है।

पत्रकार होने के गर्व करने योग्य कारण

1. लोकतंत्र का चौथा स्तंभ

पत्रकारिता लोकतंत्र की रक्षा करने वाली एक महत्वपूर्ण शक्ति है। आप सत्य, पारदर्शिता और जिम्मेदारी का संदेश समाज तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

2. सत्य के लिए संघर्ष

आप वास्तविक घटनाओं, अन्याय और उपेक्षित आवाज़ों को दुनिया के सामने लाने का कार्य करते हैं।

3. समाज परिवर्तन का हिस्सा

आपकी रिपोर्टिंग से भ्रष्टाचार, सामाजिक अन्याय और अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाई जाती है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

4. निर्विरोध लोगों की आवाज़

वंचित, उपेक्षित और दमित लोगों की समस्याओं को उजागर कर आप उन्हें न्याय दिलाने में मदद करते हैं।

5. जोखिम लेने वाली भूमिका

पत्रकारों को कई बार बड़े जोखिमों का सामना करना पड़ता है, फिर भी आप अपने कर्तव्य को निभाते हैं।

6. ज्ञानवर्धन और जनजागरण

लोगों को विभिन्न विषयों पर शिक्षित करके आप उन्हें जागरूक नागरिक बनाने में सहायता करते हैं।

7. इतिहास निर्माण का साक्षी

पत्रकार ही इतिहास के पहले गवाह होते हैं। भविष्य की पीढ़ियां आपकी रिपोर्टिंग पर विश्वास करेंगी और उनसे सीखेंगी।

8. प्रभावशाली मंच का हिस्सा

पत्रकारिता से अधिक प्रभावी माध्यम बहुत कम हैं। आप जनमत को आकार देने में सक्षम हैं।

9. स्वतंत्रता और जिम्मेदारी का प्रतीक

पत्रकार के रूप में आप अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आधार हैं, जो लोगों के विचारों और मतों को दिशा देता है।

10. मानवाधिकारों की रक्षा

मानवाधिकार हनन, अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाकर आप समाज में सकारात्मक मूल्यों को स्थापित करने का कार्य करते हैं।

भारत में पत्रकारिता से जुड़ी कुछ आंकड़े

मीडिया उद्योग का विस्तार: भारत का मीडिया उद्योग तेज़ी से बढ़ रहा है। 2017 में इस क्षेत्र की वृद्धि दर 13% थी, जिससे इसका मूल्य 22.54 अरब अमेरिकी डॉलर (INR 1.50 ट्रिलियन) तक पहुंच गया।

प्रकाशनों की संख्या: भारत में 70,000 से अधिक समाचार पत्र और 690 उपग्रह चैनल (जिनमें से 80 न्यूज़ चैनल हैं) सक्रिय हैं, जिससे भारत दुनिया का सबसे बड़ा समाचार पत्र बाजार बन गया है।

पत्रकारिता की स्थिति: 2006 में भारत का वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 105 था, जो 2019 में गिरकर 140 पर पहुंच गया और 2022 में 180 देशों में और नीचे खिसक गया।

वैश्विक आंकड़े

पत्रकारों की सुरक्षा: 2022 में दुनिया भर में 57 पत्रकारों की हत्या हुई, यानी हर पांचवें दिन एक पत्रकार की जान गई।

प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक: 2023 में भारत का स्थान 161 हो गया, जिससे पत्रकारिता की स्वतंत्रता को लेकर चिंता बढ़ गई है।

संदीप काले
संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
वॉयस ऑफ मीडिया, मुंबई, भारत
9890098868

आ. धस की अजित पवार पर टिप्पणी से राष्ट्रवादी का गुस्सा!

बेभान बैल को कब तक खुला छोड़ेंगे? मिटकरी का मुख्यमंत्री से सवाल

जमीर काजी

मुंबई: बीड़ जिले के मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है। इसी बीच भाजपा विधायक सुरेश धस द्वारा उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर की गई टिप्पणी से महायुती में दरार पड़ने की संभावना बन गई है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस ने धस के बयान की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उन्हें चेतावनी देने की मांग की है। पार्टी प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने सीधा मुख्यमंत्री से सवाल किया, "बेभान बैल को कब तक खुला छोड़ेंगे?"

राज्यभर में संतोष देशमुख की हत्या के विरोध में आक्रोश मोर्चे निकाले जा रहे हैं। इसी दौरान, वाल्मीकी कराड के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है।

शनिवार को परभणी में हुई एक सभा में सुरेश धस ने अजित पवार पर तंज कसते हुए कहा, "क्या हुआ तेरा वादा, अजित दादा?" इसके अलावा, उन्होंने आज पुणे में निकाले गए मोर्चे में भी अजित पवार पर निशाना साधा, जिससे राष्ट्रवादी के नेता आक्रामक हो गए।

अमोल मिटकरी ने ट्विटर पर सीधा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को टैग कर लिखा: "आपकी पार्टी के विधायक सुरेश धस ने कल परभणी में अजित दादा के खिलाफ जो बयान दिया, क्या आप उन्हें जवाबदेह ठहराएंगे या फिर इस बेभान बैल को खुला छोड़ देंगे?"

युवक प्रदेशाध्यक्ष सुरज चव्हाण ने भी धस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मिटकरी ने कहा कि अगर महायुती में तनाव बढ़ता है, तो इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से सुरेश धस की होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री और भाजपा नेताओं से अपील की कि वे धस पर लगाम कसें।

परभणी सभा में दिए गए बयान पर मिटकरी और चव्हाण की आलोचना का जवाब देते हुए भाजपा विधायक सुरेश धस ने पुणे में हुए आक्रोश मोर्चे की समापन सभा में कहा: "मैंने अजित दादा के साथ कई साल काम किया है। तुम अभी बच्चे हो, मेरे सामने टिक नहीं सकते। मेरे नाद में मत आओ।"

बीड़ जिले की पूरी पुलिस व्यवस्था वाल्मीकी कराड के संरक्षण में काम कर रही है, इसलिए इसे तत्काल भंग किया जाना चाहिए। यह मांग उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राऊत ने की है।

उन्होंने कहा, "इस मामले की सही जांच तभी संभव होगी जब बीड़ पुलिस बल को पूरी तरह से भंग कर नए अधिकारियों की नियुक्ति की जाए। मौजूदा पुलिस अधिकारी निष्पक्ष जांच नहीं कर सकते।"

इसके अलावा, उन्होंने मंत्री धनंजय मुंडे पर निशाना साधते हुए कहा, "इस केस का असली मास्टरमाइंड अभी भी कैबिनेट में बैठा है।"

मंत्री मुंडे के कार्यकर्ताओं से हर दिन 800 धमकी भरे कॉल: अंजली दमानिया का आरोप

मुंबई: सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि मंत्री धनंजय मुंडे और पंकजा मुंडे के कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें प्रतिदिन 700 से 800 धमकी भरे कॉल और अश्लील संदेश भेजे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह संतोष देशमुख हत्याकांड के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रही हैं, जिसके कारण पिछले तीन दिनों से उन्हें लगातार इस तरह की धमकियां मिल रही हैं।

संतोष देशमुख की हत्या के बाद आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है और पुलिस जांच में भी ढिलाई बरती जा रही है, इस पर सवाल उठाते हुए दमानिया ने बीड़ जिले के कई चौंकाने वाले फोटो और वीडियो साझा किए।

धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग को लेकर उन्होंने बीड़ कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन भी किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बीड़ जिले में उच्च पुलिस पदों पर अधिकांश अधिकारी वंजारी समाज से हैं, और उन्होंने कुछ दिनों पहले ही इन अधिकारियों की सूची

साझा कर निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद से ही उन्हें मुंडे के समर्थकों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है।

दमानिया ने कहा कि धनंजय और पंकजा मुंडे वंजारी समाज के लोगों का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। नरेंद्र सांगले नामक व्यक्ति ने उनका मोबाइल नंबर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया, जिससे एक ही दिन में उन्हें 700 से 800 फोन कॉल्स आ रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सांगले के साथ सुनील फड, जो धनंजय मुंडे के करीबी कार्यकर्ता हैं, उन्होंने भी उनके खिलाफ अश्लील और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। दमानिया ने बताया कि जब वह मॉरीशस में स्कूबा डाइविंग कर रही थीं, तो उनके फोटो शेयर कर नीच स्तर की टिप्पणियां की गईं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका फोन नंबर सोशल मीडिया पर शेयर करने और अश्लील व धमकी भरे संदेश भेजने वालों के खिलाफ वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला से शिकायत दर्ज कराएंगी।

संतोष देशमुख हत्याकांड की जांच के लिए सीआईडी द्वारा गठित एसआईटी (विशेष जांच दल) पर भी अंजली दमानिया ने सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि इस एसआईटी में बीड़ जिले के ही अधिकारी शामिल हैं, जिनमें से दो अधिकारियों के वाल्मीकी कराड से करीबी संबंध हैं। ऐसे में वे निष्पक्ष जांच कैसे करेंगे?

उन्होंने मांग की कि यह एसआईटी तत्काल भंग की जाए और इसके स्थान पर किसी अन्य जिले या जरूरत पड़ने पर किसी अन्य राज्य के अधिकारियों को जांच की जिम्मेदारी दी जाए

चीन में भूकंप से 53 की मौत, 62 घायल:रिक्टर स्केल पर 7.1 तीव्रत

नई दिल्ली : भूकंप का असर चीन के साथ आसपास के कई देशों में भी महसूस किया गया।

- Dainik भूकंप का असर चीन के साथ आसपास के कई देशों में भी महसूस किया गया।

चीन के तिब्बत प्रांत में मंगलवार सुबह आए भूकंप से 53 लोगों की मौत हो गई, जबकि 62 घायल हो गए। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 9.05 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 6.30 बजे) आए इस भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिजांग में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था।

भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.1 थी। जबकि AP की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन में भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई है। भूकंप असर नेपाल, भूटान सहित भारत के सिक्किम और उत्तराखंड में भी दिखा। फिलहाल भारत में इससे जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

NCS ने बताया कि पहले भूकंप के तुरंत बाद इस क्षेत्र में दो और भूकंप आए। लोकल अधिकारी लगातार हालात का जायजा ले रहे हैं, इस वजह से हताहतों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप के बाद बड़ी संख्या में लोग मलबे में फंस गए हैं। इन्हें रेस्क्यू किया जा रहा है। चीन की CCTV न्यूज के अनुसार चीन की स्टेट काउंसिल ने भूकंप प्रभावित इलाके में टास्क फोर्स भेजी है और लेवल-3 इमरजेंसी घोषित कर दी है।

लेवल-3 की इमरजेंसी तब डिक्लियर की जाती है जब दुर्घटना इतनी बड़ी हो कि लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और स्टेट की सरकार उससे नहीं निपट सकती। ऐसे हालात में केंद्र सरकार अपनी तरफ से तत्काल मदद भेजती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकल अधिकारी भूकंप के नुकसान का आकलन करने के लिए इलाके के लोगों से संपर्क कर रहे हैं। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि 400 किमी दूर नेपाल की राजधानी काठमांडू में भी इसका असर महसूस किया गया।

आज का भूकंप पिछले 5 साल में 200 किलोमीटर के दायरे में दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली भूकंप था। भूकंप का सेंटर उस जगह पर मौजूद है जहां भारत और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेट्स टकराती हैं। इन प्लेटों के टकराने से हिमालय के पर्वतों में ऊंची तरंग उठती हैं।

हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज़्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है

दिल्ली में चुनाव की तारीखों का ऐलान आज

नई दिल्ली : मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान करेंगे।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होगा। चुनाव आयोग दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। इसी के साथ दिल्ली में आचार संहिता लागू हो जाएगी।

विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। इसके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं।

इसके चलते 18 फरवरी से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कराए जाने की संभावना है। 2020 के विधानसभा चुनावों की घोषणा 6 जनवरी को हुई थी। विधानसभा की सभी 70 सीटों पर 8 फरवरी 2020 को सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी और 11 फरवरी को नतीजे घोषित हुए थे।

2020 में आम आदमी पार्टी (AAP) को 53.57% वोट के साथ 62 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 8 सीटों सहित कुल 38.51% वोट मिले थे। वहीं, कांग्रेस को 4.26% वोट मिले थे लेकिन पार्टी अपना खाता खोलने में भी नाकाम रही थी। 2015 के चुनाव में भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी।

AAP 70 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम घोषित कर चुकी है। पार्टी ने कुल 5 लिस्टों में ये नाम जारी किए हैं। AAP की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 नाम थे। 20 दिसंबर को आई पांचवीं लिस्ट में सिर्फ एक नाम था। इसमें महरौली सीट पर प्रत्याशी बदला गया था। पार्टी ने कुल 26 विधायकों के टिकट काट दिए हैं, जबकि 4 की सीटें बदली हैं। अरविंद केजरीवाल इस बार भी नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

कनाडा के PM ट्रूडो का इस्तीफा पार्टी नेता का भी पद छोड़

ओटावा : प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पीएम पद से इस्तीफा देने से पहले देश को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पीएम पद से इस्तीफा देने से पहले देश को संबोधित किया।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार शाम को पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी का नेता पद भी छोड़ दिया है। इस्तीफे से पहले उन्होंने देश को संबोधित किया। ट्रूडो ने कहा कि वे अगले चुनाव के लिए अच्छा विकल्प नहीं हो सकते।

उन्होंने कहा, 'अगर मुझे घर में लड़ाई लड़नी पड़ेगी, तो आने वाले चुनाव में सबसे बेहतर विकल्प नहीं बन पाऊंगा।' उन्होंने खुद को एक फाइटर बताया। कहा कि मुझे कनाडाई लोगों की बहुत परवाह है। मैं हमेशा कनाडा के लोगों की भलाई के लिए काम करता रहूंगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, PM ट्रूडो प्रधानमंत्री के पद पर तब तक बने रहेंगे, जब तक उनका उत्तराधिकारी नहीं चुन लिया जाता। उनकी सरकार का कार्यकाल अक्टूबर तक था। इस्तीफे के बाद अब जल्द चुनाव हो सकते हैं। वे नवंबर 2015 से देश के प्रधानमंत्री थे।

ट्रूडो पर उनकी लिबरल पार्टी के सांसदों की तरफ से कई महीनों से पद छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा था। इस वजह से ट्रूडो अलग-थलग पड़ते जा रहे थे।

कनाडा की डिप्टी PM और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने 16 दिसंबर को पद से इस्तीफा दे दिया। क्रिस्टिया ने आरोप लगाया था कि PM ट्रूडो ने उनसे वित्त मंत्री का पद छोड़ दूसरे मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से ट्रूडो और वे फैसलों को लेकर सहमत नहीं हो पा रहे थे। क्रिस्टिया लंबे समय से ट्रूडो की सबसे प्रभावशाली और वफादार मंत्री मानी जा रही थीं। हाल ही में ट्रूडो के नागरिकों को मुफ्त में 15 हजार रुपए देने पर क्रिस्टिया ने असहमति जताई थी। उन्होंने कहा था कि कनाडा अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की धमकी का सामना कर रहा है। ऐसे में अधिक खर्च करने से बचना चाहिए।

इसके अलावा, पार्टी के 152 सांसद में से ज्यादातर ट्रूडो के इस्तीफे का दबाव बना रहे थे। ट्रूडो की पार्टी के 24 सांसदों ने अक्टूबर में उनसे सार्वजनिक तौर पर इस्तीफा देने की मांग की थी।

ट्रूडो की पार्टी के लिए चुनौती

ट्रूडो के इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी के पास कोई ऐसा नेता नहीं है, जिसकी आम जनता में पकड़ हो। विदेश मंत्री मेलानी जोली, डोमिनिक लेब्लांक, मार्क कानी के नाम इस रेस में आगे हैं।

लिबरल पार्टी में शीर्ष नेता को चुनने के लिए विशेष सम्मेलन बुलाया जाता है। इस प्रक्रिया में कई महीने लग जाते हैं। यदि लिबरल पार्टी में कोई स्थानीय नेता न हो और देश में चुनाव कराए गए तो इससे उसे नुकसान हो सकता है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com